15 NOV 3 2026.qxd 14-11-2026 22:44 Page 1

सुबह और रातमें ठण्ड, दिनमें हो रही तेज धूप

दिन एवं रातके तापमानमें १५ डिग्री सेल्सियसका अंतर, ठण्ड बढ़नेपर लोग गर्म कपड़ोंका ले रहे सहारा

नवम्बर के पहले पखवाड़े में मौसम का मिजाज बदल गया है और सुबह एवं रातें सर्द होने लगी हैं। दिन एवं रात के तापमान में करीब १५ डिग्री सेल्सियस का बड़ा अंतर मौसमी बीमारियों का कारण बन रहा है। शनिवार को रात का तापमान १७.६ डिग्री दर्ज हुआ जबकि अधिकतम तापमान ३२.५ डिग्री रहा। मौसम में बदलाव होने से सुबह एवं शाम ठण्ड का असर बढ़ने लगा है। ठण्ड से बचने के लिए लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ रहा है।

दीपावली के बाद अब ठण्ड का बढ़ने लगा है। पिछले दिनों हल्की गर्मी बढ़ने के बाद अब रात के तापमान में वापस गिरावट दर्ज होने लगी है। शनिवार को सुबह से मौसम ठण्डा रहा। सुबह छह-सात बजे तक बाइक पर निकलने वालों को गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है। दोपहर में धूप तेज होने पर अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज हुई। दिन के तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इन दिनों आसमान साफ रहने के कारण दिन में सीधी और तेज धूप निकलती है, जिससे दोपहर के समय तापमान बढ़ जाता है और गर्मी या चुभन महसूस होती है। रात के समय आसमान साफ होने से धरती की गर्मी तेजी से वायुमण्डल में बाहर निकल जाती है जिससे सुबह और देर रात के वक्त तापमान में भारी गिरावट आती है और ठण्ड बढ़ने लगती है।

जनपद में शनिवार को अधिकतम तापमान ३२.५ डिग्री एवं न्यूनतम तापमान १७.६ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। ऐसे में अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में १५ डिग्री का अंतर है। यही कारण है कि छोटे बच्चे एवं बड़े भी जुकाम एवं खांसी की बीमारी का शिकार हो रहे है। अब रात के समय लोगों ने एसी-पंखे चलाने बंद कर दिये हैं। लोगों ने शाम होते ही गर्म कपड़े शाल, स्वेटर आदि पहने शुरू कर दिये है। स्कूली बच्चे भी सुबह के वक्त ठण्ड से बचने के लिए स्वेटर, ब्लेजर, शाल आदि गर्म कपड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि दिन में तेज धूप के कारण स्कूली बच्चे गर्मी से परेशान हो जा रहे हैं। वहीं डाक्टरों का कहना है कि यह ठण्ड नुकसानदायक हो सकती है।

दिन की गर्मी में पसीना और सुबह-रात की ठण्ड के कारण सर्दी, जुकाम, वायरल बुखार, खांसी और गले के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सुबह और रात के समय हल्के गर्म या पूरे बाजू के कपड़े पहनें। अचानक ठण्डी हवाओं या सीधे सम्पर्क से बचें। पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करें और अपनी इम्यूनिटी का ध्यान रखें।

यमुना घाटोंपर सफाई-प्रकाश एवं चेजिंग रूमके दृष्टिगत निरीक्षण

लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के दृष्टिगत महापौर ने शनिवार को यमुना के जेटीघाट, मौजगिरी घाट एवं काली घाट का संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान महापौर ने जल पुलिस के अधिकारियों से वार्ता कर घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को सभी घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल, सुरक्षा एवं महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम सहित सभी आवश्यक सुविधाएं समय से सुनिश्चित कराने को कहा। महापौर ने कहा कि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि सभी श्रद्धालु स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में छठी मैया और भगवान सूर्यदेव की उपासना कर सकें। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण कराने एवं लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

बेदी निर्माणमें जुटे रहे श्रद्धालु ३६ घंटेका निर्जला व्रत शुरू

खरनापर गंगा-यमुनाके तटोंपर स्नान, किया हल्का भोजन, बेदी पूजन, स्नानघाटोंपर लगी लाइटें, आज डूबते सूर्यको दिया जायेगा अर्घ्य

संगम नोज सहित गंगा-यमुना के सभी तटों पर छठ महोत्सव के दूसरे श्रद्धालुओं ने खरना मनाया। संगम सहित सभी स्नान घाटों या घरों में भी स्नान के बाद श्रद्धालु बेदी का निर्माण करने के बाद वह घर गये और फिर हल्का सात्विक भोजन बनाकर ग्रहण किया। जिसके बाद बेदी पूजन कर ३६ घंटे का कठिन निर्जला व्रत शुरू कर दिया। यह व्रत १६ नवंबर की सुबह सूर्य को अर्घ्य देने के बाद समाप्त होगा और तभी व्रती लोग भोजन ग्रहण कर व्रत का पारण करेंगे।

वहीं दूसरी ओर संगम की रेती पर मेला जैसा नजारा दिखाई देने लगा है। संगम नोज सहित हर घाट पर जगह-जगह बेदी का निर्माण किया जा रहा है। इसी बेदी पर श्रद्धालु पूजन करेंगे। वहीं दूसरी ओर प्रशासन की ओर से संगम नोज सहित सभी स्नानघाटों पर लाइटें लगा दी गयी है। कारण है कि बेदी निर्माण के दौरान प्रकाश की आवश्यकता होती है। इसके अलावा १५ नवंबर की शाम व्रती श्रद्धालु डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य देंगे। जिसके बाद १६ की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण होगा।



छठ पूजा में खरना (जिसे 'लोहंडा' भी कहा जाता है) महापर्व का दूसरा दिन शनिवार को जो कार्तिक शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया। शरीर और मन को शुद्ध करते हुए श्रद्धालुओं ने खरना की शाम को पूजा और प्रसाद ग्रहण करने के बाद से ही व्रती महिलाओं का कठिन ३६ घंटे का निर्जला उपवास (बिना पानी और अन्न के) शुरू कर दिया जो चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद समाप्त करेंगे। खरना की शाम श्रद्धालुओं ने शाम को भगवान सूर्य और छठी मैया को भोग लगाने के लिए मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी का उपयोग करके गुड़ और चावल की खीर (जिसे 'रसिया' या 'रसियाव' भी कहते हैं) और घी चुपड़ी हुई गेहूं की रोटी बनायी। जिसके बाद पूजन और फिर स्वयं प्रसाद ग्रहण किया और फिर परिवार के अन्य सदस्यों में वितरित किया।

महिलाओंने छठ मइयाके गीत गुनगुनाये

खरना के मौके पर संगम की रेती के साथ घरों में भी महिलाओं ने छठ मइया के गीत गुनगुनाये। आम की लकड़ी पर भोजन पकाते समय व्रती महिलाओं ने छठ मइया के पारंपरिक गीत 'छठी मइया दर्शन दीहीं ना आज..., जोड़े-जोड़े फलवा सुरुज देव घटवा पर तीवई चढ़ावेले हो एवं केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव झांके... गुनगुनाकर पूरा माहौल भक्तिमय कर दिया।



संगमकी रेतीपर छठ पूजाके लिए पहुंच रहे बिहार-झारखंडके श्रद्धालु

पूर्वांचल छठ पूजा समितिके कैंप कार्यालयमें अखंड रामायण पाठ शुरू

पूर्वांचल छठ पूजा एवं विकास समिति की ओर से संगम तट स्थित कैंप कार्यालय में शुक्रवार को अखंड रामायण पाठ एवं रात्रि जागरण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जसराज जागरण मंडल के मीत शर्मा ने विधि-विधान के साथ अखंड रामायण पाठ प्रारंभ कराया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु, समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे और भक्ति भाव से कार्यक्रम में सहभागिता की। समिति के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रयागराज के संगम तट पर छठ पूजा की इस बार विशेष विविधता देखने को मिल रही है। देश के अलग-अलग धार्मिक स्थलों पर छठ पूजा करने वाले श्रद्धालु भी इस बार संगम नगरी पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभय सिंह अपनी पत्नी के साथ देश के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर छठ पूजा करते हैं और इस वर्ष उन्होंने प्रयागराज के संगम तट को पूजा के लिए चुना है। वहीं, मनौती पूरी होने पर संगम तट पर छठ पूजा करने की मान्यता के चलते भी श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। इस बार बिहार और झारखंड सहित अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम पर छठ पूजा के लिए पहुंच रहे हैं। बताया कि यमुना में बाढ़ का पानी कम होने के बाद भी घाटों को पूरी तरह व्यवस्थित करने में कठिनाई हुई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों तक पहुंचने के कुछ रास्ते बनाए गए हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि बच्चों को रास्तों और असुरक्षित स्थानों से दूर रखें, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। संगम क्षेत्र में पर्याप्त स्थान उपलब्ध है, इसलिए श्रद्धालु अपनी सुविधानुसार किसी भी स्थान पर पूजा-अर्चना कर सकते हैं। उन्होंने यह भी अपील की कि एक ही स्थान पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और प्रशासन एवं समिति के दिशा-निर्देशों का पालन करें। इस मौके पर शेषनाथ सिंह, सुदामा सिंह, राकेश पाण्डेय, बबुआ भइया, मनोज कुमार सिंह, नागेन्द्र सिंह, ललून राय, विमला त्रिपाठी, विजय शंकर दुबे, पंडित बृजराज तिवारी, बिट्टू सिंह, दिनेश उपाध्याय, गोलू तिवारी, कुमारी अंजना, साधना आदि मौजूद रहे।

पर्वपर बाजार गुलजार

पूजन सामग्री एवं खाने-पीनेके सामानोंकी खरीदारी तेज

छठ पर्व को लेकर एक बार फिर नगर के बाजार देर रात तक गुलजार होने लगे हैं। दुकानदारों का कहना है कि छठ पूजा के मुख्य अर्घ्य से रविवार को बाजार में खरीदारी और बढ़ने की उम्मीद है। चार दिवसीय छठ महापर्व के पहले दिन शुक्रवार को नहाय-खाय मनाया गया। शनिवार को खरना हुआ। रविवार को व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी। इसके उपरान्त सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ समापन होगा। महिलाएं और पुरूष पूजा के लिए फल, बांस के सूप, दउरा, डालिया, मिट्टी के चूल्हे और अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी कर रहे हैं।

इस समय नगर के मुख्य बाजारों चौक, रानमंडी, लोकनाथ, सिविल लाइंस, कटरा सहित अन्य स्थानों पर ग्राहकों की निरंतर भीड़ बने रहने से दुकानें भी देर रात खुलने लगी है। खाने पीने के सामानों की ज्यादा खरीदारी हो रही है। त्योहारों के सीजन में लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। जिससे बाजारों में काफी रौनक और चहल पहले देखी जा रही है। व्रत रखने वाले लोगों के लिए कुट्टू का आटा, साबूदाना, मखाना और फलों की दुकानों पर बिक्री हो रही है। चार दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व पर फलाहार करने वालों की जेब पर महंगाई की मार पड़ रही है। बाजार में व्रत से जुड़ी खाद्य सामग्री की मांग अचानक बढ़ गयी है। बाजार में सेब, अनार, केला, पपिता जैसे फलों की बिक्री तेज हो रही है। दुकानदारों के अनुसार पर्व शुरू होते ही फलों के दामों में बीस से तीस रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हो गयी है। नगर के मुख्य बाजार चौक और कटरा बाजार में सबसे ज्यादा चहल पहल देखी जा रही है। नारियल, सिंदूर, कपूर और धूपबत्ती जैसे पूजन सामानों की खूब खरीदारी की जा रही है। बाजारों में सुबह से शाम तक पैर रखने की जगह नहीं रही है। महिलाएं व्रत के फलाहार सामान जैसे साबूदाना, सेंधा नमक, मखाना और कुट्टू के आटा की खरीदारी के लिए सुबह सें ही पहुंच रही हैं। नगर से लेकर कस्बों तक के मुख्य बाजार पूरी तरह से सज चुके हैं।



स्मैकके साथ तमंचा लेकर घूम रहा था युवक, गिरफ्तार

नशे के कारोबार के साथ अवैध असलहे रखने के आरोप में कैंट पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से १०.७७ ग्राम स्मैक, १३.१२ ग्राम पावर पाउच, एक इलेक्ट्रिक तराजू और ९७०० रुपये नकद बरामद हुए हैं। तलाशी में तमंचा और १४ कारतूस भी मिले हैं।

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर टीम ने धूमनगंज क्षेत्र स्थित नेहरू पार्क के पास काली माता मंदिर के समीप घेराबंदी कर लक्की कुमार (२४) निवासी मयरगंज, ताड़बाग, सुलेमसराय को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से नशीले पदार्थ और असलहा बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद ९७०० रुपये स्मैक की बिक्री से प्राप्त होने की बात कही है। इस मामले में कैंट थाने में आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ धूमनगंज थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं। बतादें कि धूमनगंज पुलिस एक दिन पहले २८ ग्राम स्मैक के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया था।

जमीनके विवादमें धारदार हथियारसे हमला, जख्मी

आरोपितको माफिया अतीकके गिरोहका बताया सदस्य, मुकदमा

धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी-मसारी में जमीन की पैमाइश कराने पहुंचे एक व्यक्ति पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पैमाइश के दौरान इरशाद हुसैन, रमीज और उनके साथ आए चार-पांच अन्य लोगों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान रमीज ने धारदार हथियार से पीड़ित की गर्दन पर हमला कर दिया। इससे उसे गंभीर चोट आई। पीड़ित इरफान असलम हसन की तहरीर पर धूमनगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने रमीज को माफिया अतीक के गिरोह का सदस्य बताया है।

इरफान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कसारी-मसारी में जमीन पर लेखपाल दिलीप से पैमाइश कराई जा रही थी। इसी दौरान इरशाद हुसैन पुत्र अल्लाक हुसैन, रमीज और चार-पांच अन्य अज्ञात लोग वहां पहुंच गए। आरोप है कि दोनों ने आक्रोशित होकर गाली-गलौज शुरू कर दी और पीड़ित को मारने-पीटने लगे। इसी बीच रमीज ने धारदार हथियार से उसकी गर्दन पर वार कर दिया। हमले में उसे गंभीर चोट आई।

सब्जी मण्डीमें लौकीका भाव चढ़ा

मण्डियों में सब्जियों के भाव में उतार-चढ़ाव का क्रम शनिवार को भी जारी रहा। मंडी में लौकी का भाव चढ़ा रहा। स्थानीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं, व्यापारियों और दुकानदारों को सब्जियां थोड़ी महंगी मिली। इसका कारण सब्जियों की कम आवक और छठ पर्व बताया जा रहा है। मुण्डेरा मण्डी सहित अन्य प्रमुख मण्डियों में प्रमुख सब्जियों के भाव अलग-अलग रहे। कृषि जिंसों के थोक मूल्य में भिंडी रु ३५ प्रति किलो, हरा प्याज़ रु २५ प्रति किलो, फूल गोभी रु १५ प्रति किलो, पत्ता गोभी रु १५ प्रति किलो, हरा धनिया रु ४० प्रति किलो, लौकी रु १५ प्रति किलो रही। हरी मिर्च रु ४० प्रति किलो, टमाटर रु १५ प्रति किलो, गिलकी रु ४० प्रति किलो, पालक रु २० प्रति किलो, देसी बैंगन रु ५ प्रति किलो, अदरक रु ५५ प्रति किलो, शिमला मिर्च रु ४० प्रति किलो , कच्चा पपीता रु २५ प्रति किलो, मेथी रु १० प्रति किलो, मूली रु १५ प्रति किलो आदि सब्जियों का भाव रहा।

छठ पर्वको लेकर नगरमें आज रातसे भारी वाहनोंके प्रवेशपर प्रतिबंध

डाला छठ पर्व पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। १५ और १६ नवंबर को निर्धारित सभी नो-इंट्री प्वाइंटों से भारी वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए १५ नवंबर की रात दो बजे से नो-इंट्री लागू की जाएगी।

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर महिलाएं पुत्र की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ छठ पूजा करती हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, युवतियां और बच्चे नदियों व जलाशयों के घाटों पर पहुंचते हैं। श्रद्धालु अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देते हैं। ऐसे में घाटों के आसपास भीड़ और यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम यातायात और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। संबंधित थाना प्रभारियों और ट्रैफिक प्वाइंट प्रभारियों को नो-इंट्री व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन कराने का निर्देश दिया गया है।

सरकारी बंजर भूमिपर कब्जा कर करा रहे थे निर्माण, छह नामजद

धूमनगंज थाना क्षेत्र के उमरपुर नीवा उपरहार गांव में सरकारी बंजर भूमि पर अवैध कब्जे और निर्माण का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने आराजी संख्या ६० की जमीन की खरीद-फरोख्त की आड़ में आराजी संख्या ५८ की सरकारी भूमि पर कब्जा कर लिया। वहां लगातार अवैध निर्माण भी कराया जा रहा है। मामले में सदर तहसील के लेखपाल की तहरीर पर धूमनगंज पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

लेखपाल सुशील शुक्ल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आराजी संख्या ५८ श्रेणी ५-३ (बंजर) की सरकारी भूमि है। आरोप है कि आराजी संख्या ६० के सहखातेदारों और स्थानीय लोगों ने आपसी खरीद-फरोख्त के बाद सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया। इस पर निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है।

तहरीर में लवकुश यादव , महेंद्र यादव पुत्र बैजनाथ, दीपक यादव, प्रहलाद यादव, श्याम बाबू और रघुनाथ यादव समेत चार-पांच अज्ञात लोगों को आरोपित किया गया है। लेखपाल ने सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने के साथ ही आरोपितों के खिलाफ गंभीर धाराओं में कानूनी कार्रवाई की मांग की है। धूमनगंज पुलिसका कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।



हर पचास किमी पर स्थापित होंगे रेस्क्यू एण्ड रिलीफ प्वाइंट्स

सड़क दुर्घटनाओंके बाद त्वरित राहत एवं बचावकी तैयारी कर रहा परिवहन विभाग

छठ पर्व को अपने घर मनाने के लिए परिवार सहित नोएडा से निकले प्रयागराज निवासी सौरभ की खुशियां छीन गयी जब उनकी कार हरदोई के पास गंगा एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसे का शिकार हो गयी। इस दुर्घटना में सौरभ सहित उनका पूरे परिवार के सभी सदस्यों की मौत हो गयी। इस घटना के बाद त्वरित राहत में विलम्ब हुआ और एम्बुलेंस देरी से पहुंची जिससे गोल्डेन आवर में सहायता नहीं मिल सकी। एक्सप्रेस वे पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को संज्ञान में लेते हुए परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा और त्वरित राहत के लिए पहल की है। परिवहन अधिकारियों के अनुसार राज्य राजमार्गो पर हर ५० किलोमीटर पर 'रेस्क्यू एंड रिलीफ पाइंट्स' स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। इस संबंध में परिवहन आयुक्त ने मातहत अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किया है। उच्चस्तरीय बैठक कर निर्णय लिया गया कि प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं के बाद त्वरित राहत एवं बचाव व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में पहल की जायेगी। इसका मुख्य उद्देश्य दुर्घटना के बाद हर मिनट का सदुपयोग करते हुए 'गोल्डन आवर' में उपचार सुनिश्चित करना और हर अनमोल जीवन की रक्षा करना है। इस अभियान में शामिल परिवहन विभाग, यूपी ११२, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग तथा सेव लाइफ फाउण्डेशन के प्रतिनिधियों को निर्देश दिये गये है। राज्य राजमार्गो पर रेस्क्यू एण्ड रिलीफ प्वाइंट्ए की स्थापना एवं संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रस्तावित योजना के तहत प्रत्येक ५० किलोमीटर के दायरे में रेस्क्यू एवं रिलीफ पॉइंट विकसित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर आधुनिक बचाव उपकरण, एएलएस एम्बुलेंस और त्वरित चिकित्सा सहायता की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया जायेगा।

शुरुआती तेजीके बाद हटाये गये ओल्ड जीटी पुलके पीपा

दशाश्वमेध घाटके समीप पुल निर्माणका काम देखने पहुंचे लोग हुए निराश

माघ मेला-२०२७ की बसावट के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से दारागंज में दशाश्वमेध घाट पर ओल्ड जीटी पाण्टून पुल के निर्माण का काम शुरू कराया गया था। शुरुआती तेजी के बाद गंगा में डाले गये अधिकांश पीपा को हटाकर आगे नागबासुकि मंदिर की ओर ले जाया गया है। शनिवार को सुबह जब लोग इस पुल के निर्माण कार्य को देखने के लिए पहुंचे तो वहां सिर्फ एक जोड़ा अर्थात दो पीपा ही था। बाकी १२ जोड़ा पीपा हटाये जा चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि ओल्ड जीटी पाण्टून पुल के निर्माण के लिए बीते गुरुवार को सात जोड़ा और शुक्रवार को छह जोड़ा बनाकर कुल २६ पीपा गंगा में डाले गये थे। मेला प्रशासन द्वारा सड़क का अलायनमेन्ट देने में की गयी देरी और गंगा के तेज प्रवाह के कारण लोक निर्माण विभाग के श्रमिकों द्वारा करीब २४ पीपा को गंगा की धारा में ही रस्सी के सहारे खींचकर नागबासुकि मंदिर की ओर ले जाकर लंगड़ के सहारे बांध दिया गया है ताकि पीपा पानी में न बहे। हालांकि रोज की तरह जब दारागंज और आसपास के लोग दशाश्वमेध घाट के पास से गुजरे तो वहां पर सिर्फ दो पीपा देखकर सन्न रहे गये। लोगों को लगा कि कहीं पीपा पानी के तेज प्रवाह में बह तो नहीं गया। आज पुल के निर्माण का काम न होने के कारण मौके पर पहुंचे लोग और रील्स बनाने वाले यूट्यूबर निराश हो गये। विभाग के अधिकारी भी पुल निर्माण का मुआयना करने के लिए पहुंचे लेकिन वहां पर कोई काम ही नहीं हो रहा था। इस बारे में जब ठेकेदार अनुराग सहगल से बात की गयी तो उन्होंने बताया कि मेला प्रशासन ने ओल्ड जीटी पुल का अलायनमेन्ट दे दिया है इसलिए सबसे पहले यही पुल बनाया जायेगा। गंगा में गहराई ज्यादा है और पानी का प्रवाह तेज है। इस कारण पीपा को सुरक्षित रखने के लिए नागबासुकि मंदिर की ओर आगे बढ़ाया गया है।



बिजलीका केबल काटते शातिर सीसीटीवी कैमरेमें कैद

धूमनगंज थाना क्षेत्र के कालिंदीपुरम स्थित राधा कुंज में चोरों ने दो दिन के भीतर दो बार बिजली का केबल तार काटकर चोरी कर लिया। घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तो एक युवक बाउंड्रीवाल फांदकर आता-जाता दिखाई दिया। वहीं, सड़क किनारे दो अन्य युवक भी बैठे नजर आए। पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही है।

राधा कुंज निवासी वीरेंद्र कुमार के अनुसार, एक नवंबर को उनके मकान से अज्ञात चोर बिजली का केबल तार काटकर ले गए थे। इसके अगले दिन दो नवंबर को फिर काफी मात्रा में केबल तार एक बोरी में रखा था। चोर उसे भी काटकर चोरी कर ले गए।

पीड़ित ने बताया कि सामने स्थित वर्मा के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में एक व्यक्ति बाउंड्रीवाल फांदकर आता-जाता दिखाई दे रहा है। इसके अलावा दो युवक सड़क किनारे बैठे नजर आ रहे हैं। पीड़ित ने फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है।